इस प्रश्न–पत्र में 16 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | | |

कोड संख्या : 71/S/242/A

सेट – A

हिंदुस्तानी संगीत
(242-H)

परीक्षा का दिन व दिनांक _____

निरीक्षकों के हस्ताक्षर 1. _____

2. _____

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की संख्या उतनी ही है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) और (D) में से कोई **एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर–पुस्तिका में उस सही उत्तर को लिखिए।
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ–साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा।
5. उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।
6. परीक्षार्थी को परीक्षा हॉल में कैल्कुलेटर, मोबाइल फोन, ब्लुटूथ, इयरफोन जैसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को ले जाने की अनुमति नहीं है।
7. प्रश्न–पत्र में किसी भी प्रकार के संदेह अथवा दुविधा की स्थिति में अंग्रेजी अनुवाद ही मान्य होगा।
8. अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्नपत्र का कोड नं. **71/S/242/A, सेट – A** लिखें।
9. (क) यह प्रश्न–पत्र दो भाषाओं में है अर्थात् अंग्रेजी एवं हिंदी। फिर भी, यदि आप चाहें तो नीचे दी गई किसी एक भाषा में उत्तर दे सकते हैं :
   अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, पंजाबी, बंगला, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगु, मराठी, उड़िया, गुजराती, कोंकणी, मणिपुरी, असमिया, नेपाली, कश्मीरी, संस्कृत और सिंधी।
   कृपया उत्तर–पुस्तिका में दिए गए बॉक्स में लिखें कि आप किस भाषा में उत्तर लिख रहे हैं।
   (ख) यदि आप हिंदी एवं अंग्रेजी के अतिरिक्त किसी अन्य भाषा में उत्तर लिखते हैं, तो प्रश्नों को समझने में होने वाली त्रुटियों / गलतियों की जिम्मेदारी केवल आपकी होगी।

हिंदुस्तानी संगीत

(242-H)

समय : 2 घण्टे] **[पूर्णांक : 40**

निर्देश :

(i) इस प्रश्न–पत्र में कुल **16** प्रश्न हैं।

(ii) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक दिए गए हैं।

(iv) **खण्ड–क** में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।

प्रश्न संख्या 1 से 8 तक बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, प्रत्येक का **1** अंक है। चार–आंतरिक विकल्प में से सबसे उपयुक्त विकल्प को चुनकर लिखिए।

(v) **खण्ड–ख** में वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं।

प्रश्न संख्या 9 - अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए व रिक्त स्थानों को भरिए (4 उप–प्रश्न) प्रत्येक का **1** अंक है।

प्रश्न संख्या 10 - अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए व सही व गलत चुनिए (4 उप–प्रश्न) प्रत्येक का **1** अंक है।

प्रश्न संख्या 11 - अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए व एक वाक्य में उत्तर दीजिए (4 उप–प्रश्न) प्रत्येक का **1** अंक है।

(vi) **खण्ड–ग** में वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं।

प्रश्न संख्या 12 तथा 13 - लघु–उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के **3** अंक हैं। प्रत्येक का उत्तर **60 से 70** शब्दों की सीमा के अंदर दीजिए।

प्रश्न संख्या 14 - दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न है। इसके **4** अंक हैं। इसका उत्तर **80 से 90** शब्दों की सीमा के अंदर दीजिए।

प्रश्न संख्या 15 और 16 - दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के **5** अंक हैं। प्रत्येक का उत्तर **100 से 120** शब्दों की सीमा के अंदर दीजिए।

खण्ड–ग में आंतरिक विकल्प दिया गया है।

सामान्य अनुदेश :

(1) सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

(2) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

खण्ड – क

8×1=8

1 हिन्दुस्तानी संगीत प्रचलित है : **1**

(A) केरल

(B) तमिलनाडु

(C) आन्ध्र प्रदेश

(D) मणिपुर

2 भारतीय संगीत के लिए संगीत रत्नाकर में स्वीकृत श्रुतियों की संख्या है : **1**

(A) 12

(B) 20

(C) 22

(D) 14

3 भौतिक वस्तु से उपलब्ध अतिसूक्ष्म मधुर ध्वनि कहलाती है : **1**

(A) नाद

(B) श्रुति

(C) स्वर

(D) थाट

4 वह स्वर जिन्हें राग में एक साथ छोड़ा नहीं जा सकता : **1**

(A) रे म

(B) ग प

(C) ध नी

(D) म प

5 भारतीय शास्त्रीय संगीत की किस विधा का उद्‌गम ध्रुवा प्रबन्धों से हुआ : 1

(A) प्रबन्ध

(B) ख्याल

(C) ध्रुपद

(D) धमार

6 संगीत रत्नाकर के अनुसार संगीत की नींव (आधार) मानी गयी है : 1

(A) राग

(B) संरचना

(C) ताल

(D) तान

7 संगीत पारिजात में निर्देशित मूर्च्छनाओं की कुल संख्या है : 1

(A) 24

(B) 28

(C) 12

(D) 21

8 पं. वि.ना. भातखण्डे का संगीत के प्रति महत्वपूर्ण योगदान है : 1

(A) मार्ग और देशी राग वर्गीकरण

(B) थाट राग वर्गीकरण

(C) तालदशप्राण की अवधारणा

(D) जातिगान की अवधारणा

खण्ड – ख

3×4=12

9 निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

राग व ''ताल'' की अवधारणा संगीत के प्रमुख अवयवों अर्थात क्रमशः स्वरमाधुर्य तथा ताल को अभिव्यक्ति प्रदान करती है। यदि ''ताल'' लय का आधार बनती है जिस पर संरचना प्रतिष्ठित होती है, तो 'राग' संरचना के स्वर विन्यास का अन्तर्भाग और उसका प्रस्तार है जो भारतीय शास्त्रीय संगीत को विभिन्न विधाओं और शैलियों के रूप में फैलाता है। हिन्दुस्तानी संगीत के प्रतिष्ठित (शास्त्रीय) तत्व को दर्शाने का माध्यम है ''राग'' जिसमें कठिन नियमों का पालन किया जाता है जो कि संगीत की अन्य धाराओं में दिखाई नहीं पड़ता"।

रिक्त स्थान भरिए :

(A) राग व ताल की अवधारणा संगीत के प्रमुख अवयवों अर्थात् क्रमशः _____ को अभिव्यक्ति प्रदान करती है। **1**

(B) यदि ताल संरचना के लय का आधार बनती है तो राग संरचना के _____ और उसका प्रस्तार है। **1**

(C) राग संरचना के स्वरविन्यास का अन्तर्भाग और उसका प्रस्तार है जो भारतीय शास्त्रीय संगीत को _____ के रूप में फैलाता है। **1**

(D) हिन्दुस्तानी संगीत के प्रतिष्ठित तत्व को दर्शाने का माध्यम है _____ जिसमें _____ का पालन किया जाता है। **1**

10 अनुच्छेद पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

''सोलहवीं शताब्दी में ग्वालियर के राजा मानसिंह तोमर ने इस विधा को प्रश्रय दिया। उनके ग्रन्थ 'मानकुतूहल' में उन्होंने ध्रुपद के बारे में विशेष चर्चा की है। उनके अनुसार ध्रुपद का साहित्य मध्य भारत की देशी भाषाओं में लिखा था जैसे ब्रज भाषा। ध्रुपद, संस्कृत व हिन्दी में भी उपलब्ध है। ध्रुपद के साहित्य में देवी देवताओं की तथा संरक्षण देने वाले राजाओं की प्रशंसा निहित रहती है जबकि धमार के साहित्य में होली वर्णन निहित रहता है – जो कि रंगों का त्योहार होता है। ध्रुपद की रचना के चार भाग होते हैं – स्थायी, अन्तरा, संचारी और आभोग''।

सत्य व असत्य लिखिए : :

(A) सोलहवीं शताब्दी में राजा मानसिंह तोमर ने ध्रुपद को संरक्षण दिया। (सत्य/असत्य) **1**

(B) ध्रुपद का साहित्य ब्रज भाषा में लिखा गया। (सत्य/असत्य) **1**

(C) ध्रुपद रचनाओं की विषयवस्तु होली के पर्व से संबन्धित होती है। (सत्य/असत्य) **1**

(D) ध्रुपद की रचनाएँ संस्कृत भाषा में उपलब्ध नहीं है। (सत्य/असत्य) **1**

11 अनुच्छेद को पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

"इसके पश्चात वह (अहोबल) 22 श्रुतियों का वर्णन करते हैं। तब वह स्वरों की ओर आते हैं। उन्होंने सात शुद्ध व 22 विकृत स्वरों के माध्यम से कुल 29 स्वरों को मान्यता दी है। सा, म, प चार–चार श्रुतियों के ग, नी दो–दो श्रुतियों के और रे, ध तीन–तीन श्रुतियों के हैं। उन्होंने तीव्र, तीव्रतर, तीव्रतम, कोमल, पूर्व, साधारण, काकली व कैशिक संज्ञाओं का प्रयोग विकृत स्वरों के लिए किया है। आगे वह चार प्रकार के स्वरों का वर्णन करते हुए वादी, संवादी, अनुवादी व विवादी और स्वरों के देवता, कुल, जाति, रंग, रस तथा ऋषि आदि का वर्णन भी अपने पूर्व अधिकारी ग्रन्थकारों की भाँति करते हैं''।

निम्नलिखित प्रश्नों का एक शब्दीय उत्तर दीजिये :

(A) पं. अहोबल द्वारा स्वीकृत स्वरों की कुल संख्या क्या है? **1**

(B) पं. अहोबल द्वारा निषाद को कितनी श्रुतियाँ दी गई हैं? **1**

(C) पं. अहोबल द्वारा विकृत स्वरों को निर्दिष्ट करने वाली कोई एक संज्ञा लिखिए। **1**

(D) पं. अहोबल द्वारा चार प्रकार के स्वरों के लिए प्रयुक्त कोई एक संज्ञा लिखिए। **1**

खण्ड – ग

12 दादरा और कहरवा तालों का वर्णन तथा उनके ठेके लिखिए। उनमें से किसी एक ताल की दुगुन भी लिखिए। **3**

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

संगीत, ग्राम, सप्तक

13 संगीत रत्नाकर के द्वितीय व तृतीय अध्यायों की विषयवस्तु के बारे में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। **3**

अथवा

संगीत रत्नाकर के चौथे और पाँचवें अध्यायों की विषयवस्तु के बारे में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

14 सदारंग द्वारा अपनी रचनाओं में प्रयुक्त भाषाओं, विषयवस्तु तथा तालों के सन्दर्भ में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। **4**

अथवा

पं. वि.ना. भातखण्डे की स्वरलिपि पद्धति का विस्तृत विवरण दीजिए।

15 निम्नलिखित में से किसी एक के जीवन चरित्र तथा उनके द्वारा भारतीय संगीत के प्रति किए गए योगदान के बारे में लिखिए : 5

राजा मानसिंह तोमर, तानसेन

अथवा

'ताल' के तत्वों का वर्णन कीजिए।

16 सामवैदिक संगीत की आर्चिक संहिता व गान संहिता का वर्णन कीजिए। 5

अथवा

अधुना संगीत पर पं. वि.ना. भातखण्डे द्वारा किए गए योगदान के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

BLANK PAGE